PANCHSHEEL PUBLIC SCHOOL

10+2 Senior Secondary School (Affiliated & Recognized by CBSE)
Jaitpur, Badarpur, New Delhi-44

MID TERM REVISION TEST PAPER

SESSION 2023-24

Time: 2hours **Subject: Hindi** **Class: XI** **Date:** **M. Marks:60**

खंड – अ (बहुविकल्पीय प्रश्न)

प्रश्न-1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए। (1×5=5)

पाठक आमतौर पर रूढ़िवादी होते हैं, वे सामान्यतः साहित्य में अपनी स्थापित मर्यादाओं की स्वीकृति या एक स्वप्न-जगत में पलायन चाहते हैं। साहित्य एक झटके में उन्हें अपने आस-पास के उस जीवन के प्रति सचेत करता है, जिससे उन्होंने आँखें मूँद रखी थी। शुतुरमुर्ग अफ्रीका के रेगिस्तानों में नहीं मिलते; वे हर जगह बहुतायत में उपलब्ध हैं। प्रौद्योगिकी के इस दौर का नतीजा जीवन के हर गोशे में नक़द फ़सल के लिए बढ़ता हुआ पागलपन है; और हमारे राजनीतिज्ञ, सत्ता के दलाल, व्यापारी, नौकरशाह-सभी लोगों को इस भगदड़ में नहीं पहुँचने, जैसा दूसरे करते हैं वैसा करने, चूहादौड़ में शामिल होने और कुछ न कुछ हासिल कर लेने को जिए जा रहे हैं। हम थककर साँस लेना और अपने चारों ओर निहारना, हवा के पेड़ में से गुजरते वक्त पत्तियों की मनहर लय-गतियों को और फूलों के जादुई रंगों को, फूली सरसों के चमकदार पीलेपन को, खिले मैदानों की घनी हरीतिमा को मर्मर ध्वनि के सौंदर्य, हिमाच्छादित शिखरों की भव्यता, समुद्र तट पर पछाड़ खाकर बिखरती हुई लहरों के घोष को देखना-सुनना भूल गए हैं।

कुछ लोग सोचते हैं कि पश्चिम का आधुनिकतावाद और भारत तथा अधिकांश तीसरी दुनिया के नव-औपनिवेशिक चिंतन के साथ अपनी जड़ों से अलगाव, व्यक्तिवादी अजनबियत में हमारा अनिवार्य बे-लगाम धँसाव, अचेतन के बिंब, बौद्धिकता से विद्रोह, यह घोषणा कि 'दिमाग अपनी रस्सी के अंतिम सिरे पर है, यथार्थवाद का विध्वंस, काम का ऐंद्रिक सुख मात्र रह जाना और मानवीय भावनाओं का व्यावसायीकरण तथा निम्नस्तरीयकरण इस अंधी घाटी में आ फँसने की वजह है। लेकिन वे भूल जाते हैं कि आधुनिकीकरण इतिहास की एक सच्चाई है, कि नई समस्याओं को जन्म देने और विज्ञान को अधिक जटिल बनाने के बावजूद आधुनिकीकरण, एक तरह से, मानव जाति की नियति है।

मेरा सुझाव है कि विवेकहीन आधुनिकता के बावजूद आधुनिकता की दिशा में धैर्यपूर्वक सुयोजित प्रयास होने चाहिए। एक आलोचक किसी नाली में भी झाँक सकता है, पर वह नाली-निरीक्षक नहीं होता।लेखक का कार्य दुनिया को बदलना नहीं, समझना है। साहित्य क्रांति नहीं करता; वह मनुष्यों का दिमाग बदलता है और उन्हें क्रांति की आवश्यकता के प्रति जागरूक बनाता है।

(I)गद्यांश में 'शुतुरमुर्ग' की संज्ञा किसे दी गई है-

(क) लेखक जो संसार को समझना चाहता है

(ख) राजनीतिज्ञ, जो अपने स्वार्थ साधना चाहता है

(ग) पाठक, जो सपनों की दुनिया में रहना चाहता है

(घ) नौकरशाह, जो दूसरों जैसा बनने की होड़ में शामिल है

(II) आधुनिकता की दिशा में सुयोजित प्रयास क्यों होने चाहिए-

(क)इससे जीवन सुगम हो जाएगा तथा मानव प्रकृति का आनंद ले सकेगा

(ख) नई समस्याओं को जन्म लेने के पहले ही रोका जा सकेगा

(ग) आधुनिक होने की प्रक्रिया सदा से मानव सभ्यता का अंग रही है

(घ) इससे विज्ञान सरल हो, अधिक मानव कल्याणी हो सकेगा

(III) 'नक़द फसल के लिए बढ़ता हुआ पागलपन' से क्या तात्पर्य है-

(क)लोग तुरंत व अधिक से अधिक कमाई करना चाहते हैं

(ख) लोग प्रकृति को समय नहीं देना चाहते हैं

(ग) लोग थके हुए हैं पर विश्राम नहीं करना चाहते

(घ) लोग भौतिकतावादी तथा अमीर लोगों की नकल करना चाहते हैं

(IV) पाठक साहित्य से आमतौर पर क्या अपेक्षा रखते हैं-

(क)साहित्य को हमारे मन की बात कहनी चाहिए

(ख) साहित्य को संसार को यथावत समझना चाहिए

(ग) साहित्य तनाव कम करने वाला होना चाहिए

(घ) साहित्य को जीवन कौशलों व मूल्यों की शिक्षा देनी चाहिए

(V) लेखक के अनुसार साहित्य क्या कार्य करने के लिए प्रेरित करता है-

(क) लोगों को यथार्थ से अवगत करा बदलाव के लिए

(ख) लोगों को जीवन की समस्याओं भुला आगे बढ़ते जाने के लिए

(ग) लोगों को यथार्थवाद का विध्वंस करने के लिए

(घ) लोगों को भावनाओं व ऐंद्रिक सुख के ऊपर उठ कार्य करने के लिए

प्रश्न-2 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए। (1×5=5)

ऐसा है आवेश देश में जिसका पार नहीं।

देखा माता का ऐसा रक्तिम श्रृंगार नहीं।

कंठ-कंठ में गान उमड़ते माँ के वंदन के।

कंठ-कंठ में गान उमड़ते माँ के अर्चन के।

शीश-शीश में भाव उमड़ते माँ के अर्पण के।

प्राण-प्राण में भाव उमड़ते शोणित तर्पण के।

जीवन की धारा में देखी ऐसी धार नहीं।

सत्य-अहिंसा का व्रत अपना कोई पाप नहीं।

विश्व मैत्री का व्रत भी कोई अभिशाप नहीं।

यही सत्य है सदा असत की टिकती चाप नहीं।

सावधान हिंसक! प्रतिहिंसा की कोई माप नहीं।

कोई भी प्रस्ताव पराजय का स्वीकार नहीं।

ऐसा है आवेश देश में जिसका पार नहीं।

(I)उपर्युक्त पद्यांश में किसके आवेश का उल्लेख हुआ है?

(क) माता (ख) देश के (ग) शत्रु के (घ) इनमें से कोई नही

(II) कवि के मतानुसार असत्य है-

(क)स्थायी (ख) व्रत (ग) अभिशाप (घ) अस्थायी

(III) 'रक्तिम श्रृंगार' का अर्थ है-

(क)वीर सपूतों का रक्त बलिदान करना (ख) रक्त बहाना

(ग) शत्रु का खून बहाना (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(IV) 'शोणित तर्पण' का अर्थ है-

(क)खून बहाकर आक्रमणकारी के पितरों का श्राद्ध करना

(ख) शत्रु का शोषण करना

(ग) दुखी होकर श्राद्ध करना

(घ) वीर सपूतों का रक्त बलिदान करना

(V) पद्यांश में 'माता' का प्रतीक है-

(क)देवी की (ख) विश्वमैत्री की (ग) सत्य-अहिंसा (घ) राष्ट्र(देश) की

प्रश्न-3 पाठ्यपुस्तक 'अभिव्यक्ति और माध्यम' पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए। (1×5=5)

(I)टेलीविजन पर देखे गए क्रिकेट मैच को कहते हैं-

(क)सीधा प्रसारण (ख) प्रत्यक्ष प्रसारण

(ग) परोक्ष प्रसारण (घ) हवाई प्रसारण

(II) प्राप्त संदेश में निहित अर्थ को समझने की कोशिश है-

(क)डिकोडिंग (ख) एनकोडिंग (ग) एमकोडिंग (घ) रिकॉर्डिंग

(III) फिक्र के अनुसार संदेश में सुधार कौन करता है-

(क)संचारक (ख) प्रसारक (ग) विचारक (घ) प्रचारक

(IV) टेलीफोन, इंटरनेट, फैक्स,समाचार पत्र,रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा आदि विभिन्न माध्यम है-

(क)संचार के (ख) जनसंचार के

(ग) संचार और जनसंचार के (घ) इनमें से कोई नहीं

(V) किस संचारशास्त्री के अनुसार संचार, संचार की साझेदारी है-

(क)बेलग्राम (ख) एडिसन (ग) विल्बर श्रम (घ) मार्कोनी

प्रश्न-4 निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए। (1×5=5)

आज गीता पाठ करके,

दंड दो सौ साथ करके,

खूब मुगदर हिला लेकर,

मूठ उनकी मिला लेकर,

जब कि नीचे आए होंगे,

नैन जल से छाए होंगे,

हाय, पानी गिर रहा है,

घर नजर में तिर रहा है,

चार भाई चार बहिनें,

भुजा भाई प्यार बहिनें,

खेलते या खड़े होंगे,

नज़र उनको पड़े होंगे।

पिता जी जिनको बुढापा,

एक क्षण भी नहीं व्यापा,

रो पड़े होंगे बराबर,

पाँचवें का नाम लेकर,

पाँचवाँ मैं हूँ अभागा,

जिसे सोने पर सुहागा,

पिता जी कहते रहे हैं,

प्यार में बहते रहे हैं,

आज उनके स्वर्ण बेटे,

लगे होंगे उन्हें हेटे,

क्योंकि मैं उनपर सुहागा

बँधा बैठा हूँ अभागा।

(I)'आज गीता पाठ करके, दंड दो सौ साठ करके' पंक्ति में किसके बारे में कहा गया है?

(क)कवि के बारे में (ख) कवि के पिता के बारे में

(ग) कवि के भाई के बारे में (घ) क्रांतिकारियों के बारे में

(II) कवि पिता की कौनसी संतान थे-

(क)पाँचवीं संतान (ख) आठवीं संतान

(ग) नवीं संतान (घ) छठवीं संतान

(III) कवि के पिता के रोने का कारण है-

(क)कवि का जेल में होना

(ख) घर में मृत्यु होना

(ग) बुढापे में शरीर का साथ न देना

(घ) परिजनों के द्वारा दुख देना

(IV) 'आज उनके स्वर्ण बेटे, लगे होंगे उन्हें हेटे।' पंक्ति में 'हेटे' शब्द का अर्थ है-

(क)महान (ख) जिद्दी (ग) तुच्छ (घ) सुंदर

(V) उपर्युक्त पद्यांश के रचयिता हैं-

(क)भवानी प्रसाद मिश्र (ख) सुमित्रानंदन पंत

(ग) त्रिलोचन (घ) दुष्यंत कुमार

प्रश्न-5 निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए। (1×5=5)

उस सीन के बाकी अंश की शूटिंग हमने उसके अगले साल शरद ऋतु में, जब फिर से वह मैदान काशफूलों से भर गया, तब की। उसी समय रेलगाड़ी के भी शॉट्स लिए। लेकिन रेलगाड़ी के इतने शॉट्स थे कि एक रेलगाड़ी से काम नहीं चला। एक के बाद एक तीन रेलगाड़ियों को हमने शूटिंग के लिए इस्तेमाल किया। सुबह से लेकर दोपहर तक कितनी रेलगाड़ियाँ उस लाइन पर से जाती हैं-यह पहले ही टाइम-टेबल देखकर जान लिया था। हर एक ट्रेन एक ही दिशा में आने वाली थी। जिस स्टेशन से वे रेलगाड़ियाँ आने वाली थीं, उस स्टेशन पर हमारी टीम के अनिल बाबू थे। रेलगाड़ी स्टेशन से निकलते समय अनिल बाबू भी इंजिन-ड्राइवर की केबिन में चढ़ते थे, क्योंकि गाड़ी के शूटिंग की जगह के पास आते ही बॉयलर में कोयला डालना ज़रूरी था, ताकि काला धुआँ निकले। सफ़ेद काशफूलों की पृष्ठभूमि पर अगर काला धुआँ नहीं आया, तो दृश्य कैसे अच्छा लगेगा?

(1) सीन के बाकी अंश की शूटिंग लेखक ने कब की?

क शरद ऋतु में ख गर्मी में ग बारिश में घ सभी गलत

(2) मैदान कौन से फूलों से भर गया था?

क गुलाब के ख कमल के ग काश के घ सभी गलत

(3) रेलगाड़ी के शॉट्स कितनी रेलगाड़ियों से पूरे किए गए?

क 1 ख 2 ग 3 घ 4

(4) रेलगाड़ी के स्टेशन से निकलते समय कौन इंजन ड्राइवर के पास बैठते थे ?

क अनिल बाबू ख सुनील बाबू ग रमेश बाबू घ सुरेश बाबू

(5) गाड़ी के शूटिंग की जगह के पास आने पर इंजन में क्या डालना जरूरी था?

क कोयला ख पेट्रोल ग डीजल घ सभी गलत

प्रश्न-6 पूरक पाठ्यपुस्तक 'वितान' पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए। (1×5=5)

(I)कुंई की खुदाई किससे की जाती है ?

(क)फावड़े से (ख) हत्थी से (ग) दरांती से (घ) बसौली से

(II) चेलवांजी अपने सिर पर किस प्रकार का टोप पहनते हैं ?

(क)काँसे का (ख) पीतल का (ग) ताँबे का (घ) उपर्युक्त सभी

(III) 'चेलवांजी' का शाब्दिक अर्थ है-

(क)चेजारो (ख) निहारो (ग) पुचकारो (घ) मिथारो

(IV) कुंई की गरमी कम करने के लिए ऊपर जमीन पर खड़े लोग मुट्ठी भर-भरकर नीचे क्या फेंकते हैं?

(क)रेत (ख) पानी (ग) टोप (घ) रस्सी

(V) बड़े कुँओं के पानी का स्वाद कैसा होता है ?

(क)मीठा (ख) नमकीन (ग) कड़ुवा (घ) इनमें से कोई नहीं

खंड – ब (वर्णनात्मक)

प्रश्न-7 निम्नलिखित दिए गए अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक पर 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन कीजिए। (6×1=6)

(1)परीक्षा के दिन

(2) मेरे मौहल्ले का चौराहा

(3) सावन की पहली झड़ी

(4) आँखों देखी रेल दुर्घटना

प्रश्न 8 पत्रकारिता के मूल्यों को स्पष्ट कीजिए। (4×1=4)

प्रश्न-9 आरोह (काव्य खंड)पर आधारित प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) दीजिए। (3×2=6)

(1) कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं?

(2) मीरा ने लोक लाज कैसे खो दी थी?

प्रश्न-10 आरोह (काव्य-खंड) पर आधारित प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) दीजिए। (2×2=4)

(I)पानी के रात भर गिरने और प्राण-मन घिरने में परस्पर क्या संबंध है? 'घर की याद' पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

(II)' दोइ कहें तिनहीं कौं दोजग जिन नाहिंन पहिचाना।' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11 आरोह (गद्य-खंड) पर आधारित प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) दीजिए। (3×2=6)

(क) पाथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक क्यों चला ?

(ख) मियां नसीरुद्दीन की कौन सी बातें आपको अच्छी लगी ?

प्रश्न-12 आरोह (गद्य-खंड) पर आधारित प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) दीजिए। (2×2=4)

(क) 'नमक का दरोगा' कहानी 'धन पर धर्म की विजय' की कहानी है। स्पष्ट कीजिए।

(ख) फिल्म में श्रीनिवास की क्या भूमिका थी और उनसे जुड़े बाकी दृश्यों को उनके गुजर जाने के बाद किस प्रकार फिल्माया गया?